



जीत से बढ़ेगा टीम का मनोबल

हॉकी चंडीगढ़ के सेक्रेटरी अनिल वोहरा ने बताया कि टीम इंडिया ने शानदार जीत हासिल की और यह जीत टीम इंडिया के लिए टॉनिक का काम करेगी। इतने बड़े टूर्नामेंट में जब भी टीम पहला मैच खेलती है तो वह दबाव में होती है। हर जीत के साथ टीम का हौसला बढ़ता है और दबाव कम होता है। इस जीत का जोश असर रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जाने वाले मुकाबले में भी दिखेगा।

हॉकी में भारत का विजयी आगाज, 3-2 से हासिल की जीत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोक्यो। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो ओलिंपिक की हॉकी प्रतियोगिता के पूल-ए के अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 3-2 से हरा दिया। भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किए जबकि रुपिंदरपाल सिंह ने एक गोल किया। रुपिंदर ने जहां 10वें मिनट में गोल किया वहीं हरमनप्रीत ने 26वें और 33वें मिनट में गोल कर भारत को जीत की ओर अग्रसर किया। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद भारत ने लगातार बढ़त बनाए रखी। न्यूजीलैंड की ओर से केन रसेल ने छठे और स्टीफन जेनेस ने 43वें मिनट में गोल किया। पूल-ए में अब भारत का अगला मैच ऑस्ट्रेलिया से 25 जुलाई को है। ऑस्ट्रेलिया ने आज अपने पहले पूल मैच में मेजबान जापान को 5-3 से हराया। हालांकि उसे इस जीत के लिए मेहनत करनी पड़ी। मेजबान टीम पहले क्वार्टर में 0-2 से पीछे होने के बाद दूसरे क्वार्टर में 3-2 से आगे चल रही थी।

न्यूज डायरी



अब दीपिका को व्यक्तिगत तीरंदाजी में दिखाना होगा दम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जमशेदपुर। भले ही भारतीय तीरंदाजी टीम को मिक्सड डबल्स स्पर्धा में निराशा हाथ लगी हो, लेकिन उम्मीदें अभी भी जिंदा हैं। टोक्यो ओलिंपिक 2020 में शनिवार को मिक्सड डबल्स की स्पर्धा के अंतिम आठ में दीपिका कुमारी व प्रवीण जाधव की जोड़ी को कोरिया के हाथों निराशा मिली। महिला वर्ग की व्यक्तिगत तीरंदाजी स्पर्धा में 28 जुलाई को दीपिका का मुकाबला भूटान से होगा। भूटान को पार पाने के बाद ही अगला मुकाबला तय होगा। अगर व्यक्तिगत स्पर्धा की बात करें तो कोरिया और अमेरिका भारतीय तीरंदाज दीपिका कुमारी के समक्ष चुनौती पेश करेंगी। ग्वाटेमाला व पेरिस विश्वकप तीरंदाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए टोक्यो पहुंची दीपिका कुमारी पर उम्मीदों का दबाव है। टाटा तीरंदाजी अकादमी व दीपिका की कोच पूर्णिमा महतो की माने तो जो इस दबाव को झेल लेगा, वही विजेता होगा। दीपिका काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह इस तरह की परिस्थितियों का सामना करने की आदी हो चुकी हैं। मैदान पर दीपिका को दम दिखाना होगा।

राहुल द्रविड़ श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका को गुरु-मंत्र देते नजर आए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत को सीरीज के तीसरे और आखिरी वनडे में मेजबान श्रीलंका से 3 विकेट से हार मिली। बारिश से बाधित मैच में भारतीय टीम पहले बैटिंग करते हुए 225 रनों पर ऑलआउट हो गई। डकवर्थ लुइस नियम के तहत श्रीलंका को 227 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। पिछले दोनों वनडे हारकर सीरीज गंवाने वाली लंकाई टीम ने 39 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 227 रन बनाते हुए जीत दर्ज की। कोलंबो में आर प्रेमदासा स्टेडियम में बारिश के खलल के बाद कुछ देर तक खेल को रोकना पड़ा। हालांकि इस बीच भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका को गुरु-मंत्र देते नजर आए। दोनों ग्राउंड पर काफी देर तक बातें करते रहे। ऐसा लग रहा था मानों द्रविड़ विपक्षी कप्तान को कुछ टिप्स दे रहे हों। टीम इंडिया की पूर्व दीवार द्रविड़ और शनाका की ये फोटो इस समय सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं।

इंग्लैंड में जुड़ सकते हैं पृथ्वी, सूर्यकुमार और जयंत यादव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव, मिडिल ऑर्डर बैट्समैन सूर्यकुमार यादव और ऑफ स्पिनर जयंत यादव इंग्लैंड में भारतीय टीम से जुड़ सकते हैं। इन तीनों को चोटिल खिलाड़ियों की जगह इंग्लैंड बुलाया जा सकता है। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने चोटिल ओपनर शुभमन गिल, ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर और तेज गेंदबाज अवेश खान की जगह दो ओपनर और एक ऑफ स्पिनर की मांग की है। ऐसा माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन साव, सूर्यकुमार यादव और जयंत यादव (जो बल्लेबाजी भी कर सकते हैं) को टीम के साथ जोड़ना चाहता है। गिल को पिंडली में चोट है जबकि सुंदर और अवेश खान दोनों की अंगुली चोटिल है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड उपरोक्त खिलाड़ियों को इंग्लैंड भेजने की प्लान बना रहा है।

रंग में नहीं थे ये हिंदुस्तानी, वरना तय था श्रीलंका का वनडे सीरीज में सूपड़ा साफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) श्रीलंका। आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए तीसरे और आखिरी मैच को जीतते ही श्रीलंका ने अपनी इज्जत बचा ली। शुरुआती दो वनडे गंवाकर मेजबान टीम पहले ही सीरीज गंवा चुकी थी, लेकिन शुक्रवार रात वर्षाबाधित इस मुकाबले में पहले गेंदबाजी अच्छी की फिर बल्लेबाजों ने आसानी से लक्ष्य साध लिया। टॉस जीतकर टीम इंडिया 225 रन पर सिमटी। इस मैच में भारत के लिए पांच डेब्यूटेंट समेत छह नए खिलाड़ी मैदान पर उतरे थे। बावजूद इसके श्रीलंका का सूपड़ा साफ नहीं कर पाए। सीरीज के पहले मैच में शिखर धवन ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली थी। मगर इसके बाद वह पूरी तरह बेरंग नजर आए।

भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने टोक्यो ओलिंपिक में रजत पदक जीता

टोक्यो ओलिंपिक

मीराबाई ने कुल 115 किग्रा वजन उठाकर नया ओलिंपिक रिकॉर्ड बनाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत ने टोक्यो ओलिंपिक में अपने मेडल का खाता सिल्वर के साथ खोला है। महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने भारत को 49 किग्रा महिला वेटलिफ्टिंग में यह पदक दिलाया। क्लीन एंड जर्क के अपने दूसरे प्रयास में मीराबाई ने कुल 115 किग्रा वजन उठाकर नया ओलिंपिक रिकॉर्ड बनाया। हालांकि यह रिकॉर्ड उनका ज्यादा देर तक कायम नहीं रहा और चीन की होऊ झीहुई ने अगले ही प्रयास में 116 किग्रा वजन उठाकर इसे तोड़ दिया।

बता दें कि चानू से पहले 2000 सिडनी ओलिंपिक में कर्णम मल्लेश्वरी ने वेटलिफ्टिंग में भारत को कांस्य पदक दिलाया था। उन्होंने कुल 240 किलोग्राम भार उठाया। चानू ने कुल 202 किग्रा (87 किग्रा, 115 किग्रा) का भार उठाया। वहीं गोल्ड जीतने वाली चीन की होऊ झीहुई



ने कुल 210 किग्रा (94 किग्रा, 116 किग्रा) का भार उठाया। इंडोनेशिया की आइशा विंडी कंटिका ने कुल 194 किग्रा (84 किग्रा, 110 किग्रा) उठाकर कांस्य पदक जीता।

चानू ने अपने पहले प्रयास में 84 किलोग्राम का भार उठाने का प्रयास किया। उन्होंने अपने अगले प्रयास में 87 किग्रा भार उठाया। इसके बाद तीसरे प्रयास में वो 89 किग्रा वजन

उठाने आई थी। अगर वो इस वजन को उठा लेती तो यह उनका पर्सनल बेस्ट होता। पिछले साल राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने 88 किग्रा का वजन उठाया था। पर वो इसमें विफल रही। ऐसे में स्नैच राउंड में उनका सबसे ज्यादा भार 87 किलोग्राम दर्ज किया गया।

स्नैच राउंड में वह दूसरे नंबर पर रही। पहले स्थान पर चीन की वेटलिफ्टर रही। उन्होंने 94 किलो वजन उठाकर नया ओलिंपिक रिकॉर्ड बनाया। क्लीन एंड जर्क में, विश्व रिकॉर्ड धारक चानू ने पहले दो प्रयासों में 110 किग्रा और 115 किग्रा भार उठाया। हालांकि, वह अपने अंतिम प्रयास में 117 किग्रा वजन नहीं उठा पाई। गौरतलब है कि चानू का 2016 रियो ओलिंपिक में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसका बाद उन्होंने अपने खेल में लगातार सुधार किया। उन्होंने 2017 वर्ल्ड चैंपियनशिप और 2018 में कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड अपने नाम किया।

और आंसुओं में डूब गईं 18 साल की यह चैंपियन वेटलिफ्टर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। बेलजियम की 18 वर्षीय महिला वेटलिफ्टर नीना स्टेरक्स ने टोक्यो ओलिंपिक 2020 के पहले दिन दिल जीत लिया। नीना टोक्यो में शनिवार को 49 किलोग्राम ग्रुप ए वर्ग में उतरी थीं। हालांकि वह पदक तो नहीं जीत सकीं लेकिन आखिरी प्रयास में जिस तरह से उन्होंने अपना जज्बा दिखाया उसे सभी सलाम कर रहे हैं।

2021 यूरोपियन चैंपियनशिप के जरिए टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली नीना का मुकाबला भारत की मीराबाई चानू, चीन की होऊ झीहुई और इंडोनेशिया की ऐसाह विंडी कांटिका से था। नीना ने 82 और 99 किलोग्राम वजन आसानी से

वेटलिफ्टर नीना स्टेरक्स 49 किलोग्राम वर्ग में 5वें नंबर पर रहीं

उठा लिया और वह ओवरऑल 5वें स्थान पर रहीं। नीना के नाम कई वर्ल्ड रेकॉर्ड और ओलिंपिक रेकॉर्ड दर्ज हैं। हालांकि वह अपने आखिरी प्रयास में वजन उठाने में विफल रहीं। नीना 101 किलोग्राम वजन नहीं उठा सकीं। इसके बाद उनके आंखों से आंसू छलक पड़े। इस दौरान उन्होंने आसानी से हार नहीं मानी बल्कि आखिरी समय तक वह कोशिश करती रहीं लेकिन वह वजन उठाने में असफल रहीं।

नीना को ड्रेसिंगरूम में भी रोते हुए देखा गया जहां उनके कोच और सपोर्ट स्टाफ उन्हें दिलासा देते हुए नजर आए। इस

प्रतिभावान वेटलिफ्टर का ये वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। नीना बेलजियम की युवाओं की रोल मॉडल हैं। फैंस ने नीना को अपना नया फेवरिट एथलीट बताया।

छोटे से करियर में कई मुकाम हासिल की: 18 साल के करियर में नीना ने कई उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। आगामी 2024 और 2008 ओलिंपिक में नीना से बहुत उम्मीदें होंगी। 2024 का ओलिंपिक पेरिस में जबकि 2028 का ओलिंपिक लास एंजेलिस में होना है। किस्मत का साथ मिला तो नीना को ब्रिस्बेन 2032 ओलिंपिक में भी हम देख सकते हैं। नीना ने जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता है। टोक्यो में उनसे पदक की उम्मीद थी।

ओलिंपिक में मेडल जीतना सपना सच होने जैसा: चानू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टोक्यो ओलिंपिक में रजत पदक जीतने के बाद, भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने शनिवार को कहा कि यह सपना सच होने जैसा है और उनकी जीत के लिए प्रार्थना करने के लिए पूरे देश को धन्यवाद दिया। मीराबाई चानू ने शनिवार को टोक्यो ओलिंपिक में महिला 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर भारत को पहला पदक दिलाया। इसके बाद उन्होंने अपने दिवंगत अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि, यह वास्तव में मेरे लिए सपना सच होने जैसा है। मैं इस पदक को अपने देश को समर्पित करना चाहता हूँ और इस सफर के दौरान मेरे साथ देने के लिए भारतीयों की अरबों प्रार्थनाओं को धन्यवाद देना चाहती हूँ। मैं अपने परिवार को विशेष रूप से मेरी मां को मुझपर विश्वास करने और त्याग के लिए को धन्यवाद देना चाहती हूँ। चानू ने आगे कहा, इस सफर में निरंतर समर्थन के लिए हमारी सरकार, खेल मंत्रालय, साई, आइओए, वेटलिफ्टिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, रेलवे, ओजीक्यू, प्रायोजकों और मे मार्केटिंग एजेंसी आइओएस का समर्थन करने के लिए विशेष धन्यवाद।